Om Jai Shiv Omkara

शिव-आरती (जय शिव ओंकारा)

NityaPaath
nityapaath.com/om-jai-shiv-omkara/

VERSES · आरती

1 जय शिव ओंकारा, भज शिव ओंकारा।
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव अर्द्धंगी धारा॥ १॥ ॐ हर हर महादेव॥

2 एकानन चतुरानन पञ्चानन राजै।
हंसासन गरुडासन वृषवाहन साजै॥ २॥ ॐ हर हर०॥

3 दो भुज चारु चतुर्भुज दशभुज अति सोहै।
तीनों रूप निरखते त्रिभुवन-जन मोहै॥ ३॥ ॐ हर हर०॥

4 अक्षमाला वनमाला रुण्डमाला धारी।
त्रिपुरारी कंसारी करमाला धारी॥ ४॥ ॐ हर हर०॥

5 श्वेताम्बर पीताम्बर बाघाम्बर अंगे।
सनकादिक गरुडादिक भूतादिक संगे॥ ५॥ ॐ हर हर०॥

6 कर मध्ये सुकमण्डलु चक्र शूलधारी।
सुखकारी दुखहारी जग-पालनकारी॥ ६॥ ॐ हर हर०॥

7 ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका।
प्रणवाक्षरमें शोभित ये तीनों एका॥ ७॥ ॐ हर हर०॥

8 त्रिगुणस्वामिकी आरति जो कोइ नर गावै।
भनत शिवानन्द स्वामी मनवाञ्छित पावै॥ ८॥ ॐ हर हर०॥

Text checked against: Gita Press, Gorakhpur: Shiv Aradhna (code 2127), 'शिव-आरती २'. Meanings, audio and all scripts at nityapaath.com/om-jai-shiv-omkara/